## दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

### प्रश्न-पत्र I / Paper I

निर्धारित समय: तीन घंटे

Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250

Maximum Marks: 250

### प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पहें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

#### **Question Paper Specific Instructions**

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **EIGHT** questions divided in two **SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt  $\emph{FIVE}$  questions in all.

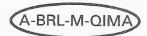
Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.



#### GUE A

#### SECTION A

Q1.	निम्नलिखित	के	लघु	उत्तर	लिखिए,	जो	प्रत्येक	लगभग	150	शब्दों	में	हों	
-----	------------	----	-----	-------	--------	----	----------	------	-----	--------	-----	-----	--

- (a) स्ट्रौसन के द्वारा व्यक्ति की प्रकृति की अपनी संकल्पना के लिए, दिए गए तकों को स्पष्ट कीजिए और उनका मूल्यांकन कीजिए।
- (b) निजी भाषा की संभावना के विरुद्ध विटगैनस्टाइन के तर्कों को स्पष्ट कीजिए।
- (c) अनिवार्य प्रतिज्ञप्तियों का इंद्रियानुभविक प्रतिज्ञप्तियों से विभेदन कीजिए । अनिवार्य प्रतिज्ञप्ति को किस प्रकार न्यायसंगत सिद्ध किया जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।
- (d) चर्चा कीजिए कि किस प्रकार सारवस्तुओं की विभिन्न संकल्पनाओं का खंडन करने के द्वारा, अरस्तू सारवस्तु के अपने सिद्धांत को स्थापित करता है।
- (e) विप्रतिषेध क्या होता है ? कांट द्वारा चर्चित प्रमुख विप्रतिषेधों का वर्णन कीजिए ।

Writ	e short answers to the following in about 150 words each: $10 \times 5$	
(a)	Explain and evaluate Strawson's arguments for his conception of the nature of a person.	=50
(b)	Explain Wittgenstein's arguments against the possibility of private language.	10
(c)	Distinguish necessary from empirical propositions. How is a necessary proposition justified? Explain.	10
(d)	Discuss how by refuting the different concepts of substances Aristotle establishes his own theory of substance.	10
		70

(e) What is an antinomy? Describe the major antinomies discussed by

10

# Q2. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

- (a) प्लेटो के आकारों के सत्तामीमांसीय सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए । क्या 'ज्ञान' आकारों में से एक है ? कारण बताइए ।
- (b) कांट के कारणता के विचार को स्पष्ट कीजिए । कांट किस सीमा तक ह्यूम की आपत्ति कि कारण-संबंध में तार्किक अवश्यता की कमी है, का उत्तर देने में सफल हो पाया है ?
- (c) परमाणु और सामान्य प्रतिज्ञप्तियों के बीच विभेदन कीजिए । दर्शाइए कि उनको किस प्रकार सत्य सिद्ध किया जाता है ।
- (d) व्यक्ति की स्वतंत्रता की स्पिनोज़ा की संकल्पना पर एक लघु समालोचनात्मक निबंध लिखिए।

Write answers to the following in about 200 words each:

 $12\frac{1}{2} \times 4 = 50$ 

- (a) Explain Plato's ontological theory of Forms. Is 'knowledge' one of the Forms? Give reasons.  $12\frac{1}{2}$
- (b) State Kant's view of causality. How far is Kant able to answer Hume's objection that causal relation lacks logical necessity?  $12\frac{1}{2}$
- (c) Distinguish between atomic and general propositions. Show how they are justified true.  $12\frac{1}{2}$
- (d) Write a short critical essay on Spinoza's conception of freedom of the individual.  $12\frac{1}{2}$

## Q3. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

- (a) डेस्कार्टि की संदेह-प्रणाली को स्पष्ट कीजिए । क्या ईश्वर के अस्तित्व में उसके विश्वास को सिद्ध करने के लिए इस प्रणाली का इस्तेमाल किया जा सकता है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए ।
- (b) टिप्पणी कीजिए : 'संचलन स्वयं व्याघात है ।' इस संदर्भ में, हेगेल की द्वंद्वात्मक प्रणाली का परीक्षण कीजिए ।
- (c) जॉन लॉक के सारवस्तु के सिद्धांत का परीक्षण कीजिए।
- (d) सार्त्रे के 'बीइंग-फॉर-इटसेल्फ' और 'बीइंग-इन-इटसेल्फ' के बीच विभेद का परीक्षण कीजिए।

Write answers to the following in about 200 words each :  $12\frac{1}{2} \times 4=50$ 

- (a) Explain Descartes' method of doubt. Can this method be used to justify his belief in the existence of God? Argue your case.  $12\frac{1}{2}$
- (b) Comment: 'Movement is contradiction itself.' Examine, in this context, Hegel's dialectical method.  $12\frac{1}{2}$
- (c) Examine John Locke's theory of substance.  $12\frac{1}{2}$
- (d) Examine Sartre's distinction between Being-for-itself and Being-in-itself.  $12\frac{1}{2}$

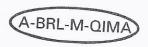


# Q4. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

- (a) टिप्पणी कीजिए : 'मूर का सामान्य बुद्धि का पक्ष-पोषण आवश्यक रूप से सामान्य भाषा का पक्ष-पोषण है ।'
- (b) वरण की कीर्कगार्ड की संकल्पना का विश्लेषण कीजिए । उसके विचार में, क्या सही या ग़लत वरण हो सकता है ? चर्चा कीजिए ।
- (c) अविभेद्यों के तादातम्य के लाइबनिट्ज़ के सिद्धांत का एक समालोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए।
- (d) स्व के ह्यूम के सिद्धांत का एक समालोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए।

Write answers to the following in about 200 words each:  $12\frac{1}{2} \times 4=50$ (a) Comment: 'Moore's defence of common sense essentially is defence of ordinary language.'

(b) Analyse Kierkegaard's concept of choice. Can there be, in his view, correct or incorrect choice? Discuss.  $12\frac{1}{2}$ (c) Give a critical account of Leibnitz's principle of the identity of indiscernibles.  $12\frac{1}{2}$ (d) Give a critical account of Hume's theory of the Self.  $12\frac{1}{2}$ 



#### खण्ड B

#### SECTION B

# Q5. निम्नलिखित के लघु उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हों :

- (a) 'सप्तभंगीनय' और 'अनेकांतवाद' के सिद्धांत के बीच संबंध का विश्लेषण कीजिए।
- (b) बौद्धों की 'अस्थायित्व' की अवस्थिति को स्पष्ट कीजिए और दर्शाइए कि अस्थायित्व का विचार किस प्रकार यथार्थता की क्षणिकता के सिद्धांत तक ले जाता है।
- (c) किसी कथन के 'प्रामाण्य' (वैधता/सत्य) का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है ? इस संदर्भ में, 'परत:-प्रामाण्यवाद' के सिद्धांत का परीक्षण कीजिए ।
- (d) 'जीवनमुक्ति' की संभावना को स्पष्ट कीजिए । इसकी 'कैवल्य' के योग-विवरण के साथ समालोचनात्मक तुलना कीजिए ।
- (e) व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास के माध्यम से विश्व मोक्ष की श्री अरविंद की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए।

Write short answers to the following in about 150 words each:

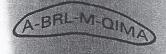
 $10 \times 5 = 50$ 

- (a) Analyse the relation between the theory of saptabhanginaya and anekantavada.
- (b) Explain the Buddhists' position of 'Impermanence' and show how the idea of Impermanence leads to the theory of momentariness of reality. 10
- (c) How is the *pramanya* (validity/truth) of a statement determined? Examine, in this context, the theory of *paratah-pramanyavada*. 10
- (d) Explain the possibility of *jivanmukti*. Critically compare it with the Yoga account of *kaivalya*.
- (e) Explain Sri Aurobindo's conception of cosmic salvation through spiritual evolution of the individual.

## Q6. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

- (a) पाँच प्रकारों के विभेदों (पंचविधाभेद) का वर्णन कीजिए । माधव के सिद्धांत के लिए उनके दार्शनिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।
- (b) 'समवाय' क्या होता है ? समवाय को एक सुस्पष्ट पदार्थ के रूप में स्वीकार करने के क्या आधार हैं ? चर्चा कीजिए ।
- (c) 'पुरुष' और 'प्रकृति' के बीच संबंध का मूल्यांकन कीजिए, यदि कोई हो तो ।
- (d) 'ब्रह्म'(परम) से 'ईश्वर' का किस प्रकार विभेदन किया जा सकता है ? इन दो संकल्पनाओं में से कौन-सी संकल्पना दार्शनिकत: बेहतर है ?

Writ	te answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2}$	×4=5
(a)	Describe the five types of differences (panchavidhabheda). Bring of their philosophical significance for Madhva's theory.	ut <i>12</i>
(b)	What is samavāya? What are the grounds for accepting samavāya as distinct padārtha? Discuss.	a $12\frac{1}{2}$
(c)	Evaluate the relation, if any, between purusa and prakrti.	$12\frac{1}{2}$
(d)	How can Iśvara (God) be distinguished from Brahman (Absolute) Which of the two concepts are philosophically better?	? $12\frac{1}{2}$
निम्नति	लेखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :	
(a)	'व्यप्ति' की न्याय संकल्पना का विश्लेषण कीजिए और 'तर्क' के साथ उसके संबंध व परीक्षण कीजिए।	का
(b)	'श्रुति' को 'प्रमाण' रूप में स्वीकार करने के लिए प्रभाकर मीमांसक के तर्कों का मूल्यांक कीजिए।	जर्न
(c)	जीवात्मा के अस्तित्व के लिए न्याय-वैशेषिक के तर्कों का परीक्षण कीजिए।	
(d)	शंकर के पश्चात् ब्राह्मण के स्वरूप लक्षण और तटस्थ लक्षण के बीच विभेदन कीजिए।	
Write	e answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2}$ ×	:4=50
(a)	Analyse the Nyaya concept of vyapti and examine its relation to tarka.	$12\frac{1}{2}$
(p)	Evaluate Prabhakara Mimamsaka's arguments for accepting sruti as pramana.	s $12\frac{1}{2}$
(c) (a)	Examine the Nyaya-Vaisesika arguments for the existence of jivatma (soul).	



(d)

Brahman after Śankara.

Q7.

Distinguish between Svarupa lakṣaṇa and Tatastha lakṣaṇa of

 $12\frac{1}{2}$ 

# Q8. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

- (a) टिप्पणी कीजिए : 'शून्यवाद को स्वीकार कर लेना व्यक्ति को धर्म के अनुसरण के प्रति उदासीन बना देता है ।' इस संदर्भ में, शून्यवाद के लिए नागार्जुन के तर्कों का परीक्षण कीजिए।
- (b) 'कर्म नहीं, परंतु केवल ज्ञान मोक्ष तक पहुँचा देता है ।' (शंकर) । क्या आप सहमत हैं ? अपने उत्तर को सही सिद्ध कीजिए ।
- (c) 'माया' के शंकर के सिद्धांत की रामानुज की मीमांसा का मूल्यांकन कीजिए।
- (d) योग दर्शन में 'चित्तवृत्ति' की संकल्पना का एक समालोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए।

Write answers to the following in about 200 words each :  $12\frac{1}{2} \times 4=50$ 

- (a) Comment: 'Accepting sunyavada makes one indifferent to the pursuit of dharma.' Examine, in this context, Nagarjuna's arguments for sunyavada.

  12 $\frac{1}{2}$
- (b) 'Not karma, but knowledge alone leads to moksa.' (Samkara). Do you agree? Justify your answer.  $12\frac{1}{2}$
- (c) Evaluate Ramanuja's critique of Samkara's theory of maya.  $12\frac{1}{2}$
- (d) Give a critical account of the concept of *cittavrtti* in Yoga philosophy.  $12\frac{1}{2}$

